

क्रं- २८

केशवदि २४
गूर्नीवायुधाने



संस्कृत

पूर्व

पृ-२

श्री लालाबाबा : १९१९ : १९२० : १९२१ : १९२२ : १९२३ : १९२४ : १९२५ : १९२६ : १९२७ : १९२८ : १९२९ : १९३० : १९३१ : १९३२ : १९३३ : १९३४ : १९३५ : १९३६ : १९३७ : १९३८ : १९३९ : १९४० : १९४१ : १९४२ : १९४३ : १९४४ : १९४५ : १९४६ : १९४७ : १९४८ : १९४९ : १९५० : १९५१ : १९५२ : १९५३ : १९५४ : १९५५ : १९५६ : १९५७ : १९५८ : १९५९ : १९६० : १९६१ : १९६२ : १९६३ : १९६४ : १९६५ : १९६६ : १९६७ : १९६८ : १९६९ : १९७० : १९७१ : १९७२ : १९७३ : १९७४ : १९७५ : १९७६ : १९७७ : १९७८ : १९७९ : १९८० : १९८१ : १९८२ : १९८३ : १९८४ : १९८५ : १९८६ : १९८७ : १९८८ : १९८९ : १९९० : १९९१ : १९९२ : १९९३ : १९९४ : १९९५ : १९९६ : १९९७ : १९९८ : १९९९ : २००० : २००१ : २००२ : २००३ : २००४ : २००५ : २००६ : २००७ : २००८ : २००९ : २०१० : २०११ : २०१२ : २०१३ : २०१४ : २०१५ : २०१६ : २०१७ : २०१८ : २०१९ : २०२० : २०२१ : २०२२ : २०२३ : २०२४ : २०२५ : २०२६ : २०२७ : २०२८ : २०२९ : २०३०

(17)

॥ इतिकेशवादि २४ मूर्तिषायुधानि ॥



राम

(2)

श्रीवासुदेवाय नमः॥ केशवादेश्वतुर्बाहोर्दक्षिणोर्ध्वक
रक्रमात् शंखचक्रगदापद्मयुधैः केशव उच्यते १
नारायणः पद्मगदाचक्रशंखा युधैः क्रमात्॥ माधवः
श्वक्रशंखाभ्यां पद्मेन गदासवेत् २ गोविंदो गदाया
पद्मशंखचक्रैः क्रमाद्भवेत्॥ विष्णुः पद्मेन शंखेन चक्रे
ण गदाया क्रमात् ३ शंखपद्मगदाचक्रैर्मधुसूदन ई
रितः॥ त्रिविक्रमो गदाचक्रशंखपद्मेरनु क्रमात् ४
वामनश्चक्रगदापद्मशंखारव्यलक्षणैः॥ चक्रेण गद

(3)

याशंखपद्माभ्यांश्रीधरः स्मृतः ५ हृषीकेशः स्मृतश्चक्र
पद्मशंखगदायुधैः ॥ पद्मनाभः पद्मचक्रगदाशंखैः क्र
मात्स्मृतः ६ दामोदरः शंखगदाचक्रपद्मैरुदीर्यते ॥
संकर्षणः शंखपद्मचक्रायुधगदायुधैः ७ वासुदेवो ब्रु
चक्राभ्यां पद्मेन गदायुधैश्च ॥ प्रद्युम्नः स्याच्छंखगदापद्मच
क्रैः क्रमात्स्मृतैः ८ अनिरुद्धो गदाशंखपद्मचक्रैरनुक्रमा
त् ॥ पद्मशंखगदाचक्रायुधैः स्यात्पुरुषोत्तमः ९ अधोक्ष
जो गदाशंखचक्रपद्मैः करस्थितैः ॥ नरसिंहः पद्मगदाशं

(3A)

खचक्रायुधैर्मवेत् १० अच्युतः पद्मचक्राभ्यांशंखेन
गद्याक्रमात् ॥ जनार्दनश्चक्रशंखगदापद्माढ्यबाहुभिः
११ उपेंद्रोगद्याचक्रपद्मशंखांकितैः करैः ॥ चक्रपद्मग
दाशंखैः करस्थैः स्यात्क्रमात्परिः १२ श्रीकृष्णारख्योगदा
पद्मचक्रशंखैर्मतोविष्णुः ॥ इति प्रोक्ताः केशवाद्याश्वतु
र्विंशतिमूर्तयः १३ ॥ एतान्यायुधानिक्रमाज्ञातव्या
नि ॥ ॥ श्रीवासुदेवप्रसन्नोस्तु ॥ सीताराम ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com